स्वपन नंदी
अकादेमी पुरस्कारः मूकाभिनय (माइम)

SWAPAN NANDY
Akademi Award: Mime

Born on 14 September 1948, Shri Swapan Nandy has been practising and performing mime since the last 50 years. He has also been a trained commercial artist who received his five-year diploma in Commercial Art from the Government College of Art and Craft, Kolkata in the year 1971. He joined the Department of Information and Cultural Affairs, Government of Tripura in the year 1973 as an artist and went on to retire as a Joint Director of the Department in 2006.

Shri Swapan Nandy started training in mime under the guidance of Yuri Nikolai, a famous mime artist of Russia, when he was touring West Bengal with his mime shows in the year 1968. He received training from Yuri Nikolai for six months, and performed his first mime show in Sisir Mancha, Kolkata in 1969. Since then he has performed numerous solo and group mime shows in Agartala, Kolkata, Guwahati, Dimapur, across Tripura and also in Bangladesh. He has attended a number of mime workshops organized by different institutions including Sangeet Natak Akademi. He has been conducting mime workshops from time-to-time and has taken classes for mime for the students of the Agartala centre of National School of Drama.

He has been felicitated by many institutions including the National School of Drama, New Delhi, and the Government of Tripura, among others.

Shri Swapan Nandy receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for his contribution to Indian theatre as a mime artist.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

14 सितंबर 1948 को जन्मे श्री स्वपन नंदी पिछले 50 वर्षों से माइम का अभ्यास और प्रदर्शन कर रहे हैं। आप एक प्रशिक्षित पेशेवर कलाकार रहे हैं। सन् 1971 में गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट, कोलकाता से वाणिज्यिक कला में आपने पांच वर्षीय डिप्लोमा किया और सन् 1973 में बतौर कलाकार त्रिपुरा सरकार के सूचना और सांस्कृतिक कार्य विभाग में पदस्थ हुए, जहाँ से वर्ष 2006 में विभाग के संयुक्त निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुए।

श्री स्वपन नंदी ने रूस के प्रसिद्ध माइम कलाकार यूरी निकोलाई के मार्गदर्शन में माइम गतिविधियों की शुरुआत की थी, जब वे वर्ष 1968 में अपने माइम शो के लिए पश्चिम बंगाल के दौरे पर आए थे। आपने छह महीने तक यूरी निकोलाई से प्रशिक्षण प्राप्त किया था, और अपनी पहली माइम प्रस्तुति सन् 1969 में कोलकाता के शिशिर मंच में की थी। तब से आपने अगरतला, कोलकाता, गुवाहाटी, दीमापुर, त्रिपुरा और बांग्लादेश में बहुत से एकल और सामूहिक माइम शो किए हैं। आपने संगीत नाटक अकादेमी सहित विभिन्न संस्थानों द्वारा आयोजित कई माइम कार्यशालाओं में भी भाग लिया है। आप समय-समय पर माइम वर्कशॉप आयोजित करते रहे हैं और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के अगरतला केन्द्र के छात्रों को माइम कला की शिक्षा भी दी है।

श्री स्वपन नंदी को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली और त्रिपुरा सरकार सहित कई संस्थानों द्वारा सम्मानित किया गया है।

भारतीय रंगमंच के क्षेत्र में माइम कलाकार के रूप में योगदान के लिए श्री स्वपन नंदी को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018